om 24 final Delhi_Page 1 and 2 18/03/2015 10:54 Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक - 24 मार्च-II, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹ 8.00

परमात्मा अच्छाइयों से भरने वाला है : ओबेरॉय

भारत व नेपाल सहित 90 देशों से आये करीब तीस हज़ार लोग शिवजयंति महोत्सव में शरीक हुए

शांतिवन। शिवध्वज फहराने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए अभिनेता सुरेश ओबेरॉय। 79वीं शिव जयंती के अवसर पर कैंडल लाइटिंग करते हुए दादी हृदयमोहिनी, दादी जानकी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. मुन्नी तथा अन्य।

संस्था में महाशिवरात्रि महोत्सव का हुआ आयोजन, फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने भी की शिरकत

शांतिवन। हज़ारों की संख्या में उमड़े देश विदेश के लोगों के बीच, आसमान में शांति का संदेश देते गुब्बारे तथा परमात्मा शिव की धुनी के साथ महा-शिवरात्रि पर परमात्म अवतरण का उद्घोष हुआ। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम में शिवध्वजारोहण कर कार्यक्रम का आगाज़ किया गया। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने कहा कि पिछले लंबे समय से मैं परमात्मा शिव की शिक्षाओं को जीवन में अपनाता रहा हूँ। परमात्मा पर बुराइयों को अर्पण करने से परमात्मा अच्छाइयों से भर देता है। यह मेरे जीवन का अपना अनुभव है। इसलिए शिव की शिवरात्रि मनाते हैं। यही इसका रहस्य है। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हम परमात्मा शिव की संतान हैं। वह सभी आत्माओं का परमपिता परमात्मा है, जिसका स्वरूप ज्योतिर्बिन्दु है। उसे जान तथा पहचान कर उसे याद करने से जीवन से अज्ञान अंधकार दूर हो जाते हैं।

नई दुनिया बनाने के लिए हुआ परमात्मा का अवतरण

ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि परमात्मा का अवतरण नई दुनिया बनाने के लिए ही हुआ है। ऐसे में स्वयं तथा परमात्मा को पहचान कर जीवन में ज्ञान को उतारने का प्रयास करें। यही शिवरात्रि का संदेश है तथा पर्वों की सार्थकता भी। इस मौके पर अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. रमेश, सूचना निदेशक ब्र.कु. करुणा, शांतिवन प्रबंधक ब्र.कु. भूपाल समेत कई लोग मौजूद थे। ग्राम विभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मोहिनी, कार्यक्रम प्रबंधिका ब्र.कु. मुन्नी समेत कई लोगों ने विचार व्यक्त किए। भारत व नेपाल सहित 90 देशों से आये करीब तीस हज़ार लोगों ने मौजूद रहकर शिवध्वज लहराया।

एक महान घटना है शिवरात्रि-दादी हृदयमोहिनी

माउण्ट आबू। शिव जयंती के पावन अवसर पर परमात्मा शिव का ध्वज लहराने के पश्चात् अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने इस त्योहार को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि सृष्टि चक्र में शिव परमात्मा का अवतरण होना, और वही समय अभी चल रहा है, ये अपने आप में एक महान घटना है। जिन्होंने इसको समझा और जाना है वे बहुत ही भाग्यशाली हैं, क्योंकि उनका ही मिलन सर्वशक्तिवान परमात्मा शिव से होता है और वे अपने पिता से मिलन मनाकर सद्गति के मार्ग पर चलते हैं। उन्होंने आगे बताया कि परमात्मा का अवतरण होता है और जबकि मनुष्यों का देह के द्वारा जन्म होता है, ये अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा। जिन्होंने भी इस रहस्य को समझा, वे अपने जीवन में इसे अपनाकर धन्य-धन्य महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें इस कालचक्र में अपना जीवन निर्वाह करते हुए भी परमात्मा की स्मृतियों से तरोताज़ा रहते हुए जीवन को खुशियों से जीना है।

इस अवसर पर करीब 90 देशों से हज़ारों आगंतुक उपस्थित थे। दादी जी ने सबको खुशियों में रहकर जीवन जीने की शुभकामनाएं दीं। मुख्यालय के ओमशान्ति भवन में शिवध्वजारोहण किया गया। विशेष रूप से ज्ञानसरोवर अकादमी की डायरेक्टर ब्र.कु. डॉ. निर्मला, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. शशिप्रभा, राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शीलू तथा मधुबन के समर्पित भाई बहनें उपस्थित थे। इसके पूर्व दादी ने आबू में स्थित म्यूज़ियम के प्रांगण में भी शिव-ध्वजारोहण किया।

ज्ञानसरोवर अकादमी में भी दादी ने कहा कि वो दिन दूर नहीं कि जब भारत में परमात्मा के अवरण का संदेश विश्व के कोने-कोने में पहुंचेगा, और सभी कहेंगे कि दु:ख हरने वाला परमात्मा आ गया और फिर से विश्व में शांति-सुख का साम्राज्य स्थापित होगा। सभी को शिव अवतरण की खूब खूब बधाइयां दीं और सभी से बुराइयों से मुक्त रहकर जीवन को खुशियों के साथ जीने की शुभ-कामनाएं दीं। इसके पूर्व दादी ने म्यूज़ियम में भी शिवध्वज लहराया।

माउण्ट आबू। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव ध्वजारोहरण करते हुए दादी हृदयमोहिनी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. मुन्नी व अन्य। शिवरात्रि महोत्सव में शरीक हुए देश-विदेश से आये ब्र.कु. भाई बहनें।